भारत सरकार
अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 2566
उत्तर देने की तारीख: 11.12.2024

नई रोशनी योजना और महिला सशक्तीकरण

2566. श्री अनुराग सिंह ठाकुर:

क्या **अल्पसंख्यक कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं को सशक्त बनाने में नई रोशनी योजना की क्या उपलब्धियां रही हैं;
(ख) उक्त योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित लाभार्थियों की संख्या कितनी है और उन्हें कौन-कौन से प्रमुख कौशल प्रदान किए गए हैं;
(ग) उक्त योजना के कार्यान्वयन में किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा है और उनके समाधान के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और
(घ) सरकार द्वारा महिला लाभार्थियों के लिए सतत् आजीविका सुनिश्चित करने हेतु क्या पहल की गई है?

उत्तर

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री
(श्री किरेन रिजिजू)

(क) और (ख): 2012-13 में शुरू की गई नई रोशनी योजना के तहत, लगभग 4.35 लाख अल्पसंख्यक महिलाओं को 'नेतृत्व विकास' के लिए महिला अधिकार और हस्तक्षेप, स्वास्थ्य और स्वच्छता, महिलाओं के कानूनी अधिकार, वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, स्वच्छ भारत, जीवन कौशल और सामाजिक और व्यवहारिक परिवर्तनों के लिए पक्ष समर्थन के बारे में जागरूकता पैदा करके उन्हें सशक्त बनाने और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए प्रशिक्षित किया गया था।

(ग) और (घ): योजनाओं को लागू करने में आने वाली चुनौतियों में लक्ष्य समूह के बीच जागरूकता के स्तर, प्रशिक्षण प्रदाताओं की क्षमता निर्माण, योजना के पैमाने को बढ़ाने और विभिन्न हितधारकों के माध्यम से इसको कार्यान्वित किए जाने जैसे कारण शामिल हैं। योजना के कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों और विभिन्न हितधारकों की सिफारिशों पर विचार करते हुए, नई रोशनी योजना को एक एकीकृत योजना प्रधानमंत्री विरासत का संवर्धन (पीएम विकास) के अंतर्गत शामिल किया गया है, जो मंत्रालय की पांच पूर्ववर्ती कौशल और सशक्तीकरण योजनाओं को समायोजित करती है और अन्य बातों के साथ-साथ सामुदायिक स्तर की आकांक्षाओं और चुनौतियों पर जोर देती है, उन्हें मुख्यधारा में लाती है और प्रासंगिक आधुनिक कौशल के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार करती है। पीएम विकास योजना का नेतृत्व और उद्यमिता उप-घटक, अल्पसंख्यक महिलाओं को स्थायी आर्थिक आजीविका के अवसर प्रदान करने और अन्य बातों के साथ-साथ एनएमडीएफसी, बैंकों, एनबीएफसी जैसे वित्तीय संस्थानों के साथ संबंध स्थापित करके उद्यम/स्वरोजगार के उपाय स्थापित करने के लिए कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

******